कर्मचारी और छात्र सबके तेवर तल्ख

पे ग्रेड के लिहाज से तबादले को राजी

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। तबादला आदेश के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे दून कलेक्ट्रेट मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों के समर्थन में प्रदेश के दूसरे जिलों में भी चार घंटे कार्य बहिष्कार किया गया। दून की सभी तहसीलों के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी हड़ताल पर रहे। उत्तराखंड कलेक्ट्रेट मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ के महामंत्री आशीष वर्मा ने बताया कि प्रदेश के सभी कलेक्ट्रेट में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक कार्य बहिष्कार किया गया। संयुक्त कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को भी कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी का स्थानांतरण किए जाने की मांग की। उनका कहना था कि मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी पे ग्रेड के लिहाज से नई सीट पर जाने को तैयार हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनके वेतनमान के लिहाज से सीट दी जाए। 4600 वेतनमान वाली सीट पर 2000 वेतनमान वाले को न बैठाया जाए। तबादला वर्ष 2011 के आदेश के लिहाज से किया जाए।

मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी 11 से कार्य बहिष्कार पर

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। कलेक्ट्रेट पुनर्गठन समेत अन्य मांगों के संबंध में उत्तराखंड कलेक्ट्रेट मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी ने घोषणा की है कि अगर 31 अगस्त तक मांगें नहीं मानी जातीं तो 1 सितंबर से प्रदेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी जाएगी। 11 अगस्त से जिला और तहसील स्तर पर तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

बृहस्पतिवार को राजस्व आयुक्त से वार्ता के बाद शुक्रवार को संघ ने अपनी जिला और तहसील इकाइयों को आंदोलन के संबंध में पत्र जारी कर दिया है।

बताया कि राजस्व आयुक्त ने उनकी सारी मांगें मान ली हैं इससे राजस्व परिषद परिसर के बजाए आंदोलन जिला और तहसील मुख्यालय पर होगा। प्रांतीय महामंत्री आशीष वर्मा ने बताया कि कैबिनेट ने नायब तहसीलदार पदों पर प्रोन्नति के संबंध में स्वीकृति दे दी पर जीओ जारी नहीं किया है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मी से एओ का काम

देहरादून। मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों के तबादला प्रकरण में शासन स्तर पर रस्साकसी चल रही है। फरियादियों की दिक्कत के मद्देनजर कलेक्ट्रेट में समानांतर व्यवस्था बना दी गई है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मौखिक रूप से विभिन्न पटलों का काम करने के लिए कह दिया गया है। नजारत के एक चतुर्थ श्रेणी कर्मी को एओ का काम देखने के लिए कहा गया है।

एक दिन की खामोशी के बाद गरजे सचिवालयकर्मी

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। सचिवालय में आंदोलनकर्मियों के खिलाफ एक दिन की सख्ती के बाद सरकार बैकफुट पर आ गई है। गुरुवार को कर्मियों को भीतर नहीं घुसने दिया गया और शुक्रवार को किसी ने उन्हें रोकने की हिम्मत नहीं की। हालांकि शासन यही कहता रहा कि अंदर इसलिए आने दिया गया क्योंकि लाउडस्पीकर का प्रयोग प्रतिबंधित था। यदि सोमवार से हड़ताल समाप्त नहीं हुई तो फिर सख्ती होगी। लेकिन एक दिन सख्ती और दूसरे दिन रियायत से अब भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है।

सचिवालय कर्मियों के आंदोलन पर एक दिन पहले सख्ती बरतने के बाद सरकार ने दूसरे ही दिन रोल बैक कर लिया। गुरुवार को जहां आंदोलनकारियों को सचिवालय में नहीं घुसने दिया गया तो शुक्रवार को कर्मचारी बेरोकटोक अंदर आए और धरना भी दिया। एक दिन पहले जिस आदेश का हवाला देकर उन्हें बाहर रोका गया था आज उसकी जमकर धज्जियां उड़ीं। हालांकि शासन के सूत्र बताते हैं कि कर्मियों को इसलिए अंदर आने दिया गया कि शायद आंदोलन समाप्त हो जाएगा, यदि ऐसा नहीं हुआ तो सरकार सख्ती करेगी। हालांकि इसकी संभावना कम ही दिख रही है।

उधर, सचिवालय प्रशासन के सचिव प्रयाग सिंह जंगपांगी का कहना है कि कर्मी काम पर लौटेंगे यही मानकर उन्हें अंदर आने दिया गया। उन्हें स्पष्ट हिदायत दी गई थी कि किसी भी हाल में लाउडस्पीकर का प्रयोग ना हो।

संग्रह अमीनों के मामले में मुख्यमंत्री ने भरी हामी

परेड ग्राउंड में धरना देते उत्तराखंड राजस्व संग्रह अमीन संघ के सदस्य।

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। संग्रह अमीनों के मामले में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को मुख्य सचिव सुभाष कुमार से मिला। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि संग्रह अमीनों का प्रस्ताव कैबिनेट ने पास कर दिया था शासनादेश जारी होना बाकी है। इस पर मुख्य सचिव ने कहा कि वह सोमवार को संग्रह अमीन संघ से बात करके समस्या का निराकरण कर देंगे। मांगों को लेकर कर्मचारी परिषद का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर प्रह्लाद सिंह की अगुवाई में मुख्य सचिव से मिला था। कहा कि इस बाबत यथाशीघ्र शासनादेश जारी किया जाए। इधर परेड ग्राउंड पर संग्रह अमीनों का धरना आठवें दिन भी जारी रहा। इस मौके पर भजन सिंह, शांति लाल, मुन्ना दास, राकेश नेगी, केशव पांडेय, संतोष आदि रहे।

न्यूज डायरी

डीएम आफिस में ग्रामीणों का प्रदर्शन

देहरादून। क्लेमेंटाउन वेलफेयर सोसाइटी के संयोजक महेश पांडेय और ग्राम प्रधान मोथरोवाला नवीन क्षेत्री की अगुवाई में मोथरोवाला के लोग डीएम कार्यालय पहुंचे। लोगों ने बताया कि बरसात में रिस्पना के किनारे बसे नई बस्ती क्षेत्र को अधिक खतरा है। इस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को स्थलीय निरीक्षण के आदेश किए। इस मौके पर दुर्गा बहादुर, वीर बहादुर, वीरेंद्र क्षेत्री, नरेश आले, प्रेमा चौहान, विष्णु थापा, रमेश गुरुंग, अमित शर्मा आदि रहे।

लैब सहायकों ने किया प्रदर्शन

देहरादून। रमसा के तहत आउटसोर्सिंग से नियुक्त लैब और कार्यालय सहायकों ने शिक्षा निदेशालय में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार उनकी मांगों की अनदेखी का रही है। मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने चुनाव के बाद मांगों पर अमल का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक मांगों पर अमल नहीं हुआ है।

विनियमितीकरण की मांग

देहरादून। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री अनिल कुमार नौटियाल ने कहा कि जिला अध्यक्ष संजय बिजल्वाण की अध्यक्षता में कोर ग्रुप का गठन किया गया है। शुक्रवार कोर ग्रुप की पहली बैठक में निर्णय लिया गया है कि जिला स्तर पर एक बार में सिर्फ एक ही समस्या को लेकर संघर्ष किया जाएगा। बैठक में तदर्थ शिक्षकों के विनियमितीकरण की मांग पर जोर दिया गया।

कार्य बहिष्कार पर रहे अधिवक्ता

देहरादून। सब रजिस्ट्रार कार्यालय में दो शिफ्टों में काम और न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली के विरोध में शुक्रवार को अधिवक्ता कार्य बहिष्कार पर रहे। कोर्ट और सब रजिस्ट्रार कार्यालय में सन्नाटा रहा।

सीईओ से मिले शिक्षक

देहरादून। जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने मुख्य शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी से मिलकर पात्र शिक्षकों को प्रोन्न्त वेतनमान की मांग की। शिष्टमंडल में शीशपाल सिंह, हुकम सिंह तोमर आदि शामिल थे।

नारेबाजी संग फूंकी शासनादेशों की प्रतियां

अमर उजाला ब्यूरो

शासनादेशों की प्रतियां जलाते डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के सदस्य।

देहरादून। तबादला नीति के उल्लंघन सहित अन्य मांगों की अनदेखी से खफा उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ (पेयजल निगम) ने पेयजल निगम मुख्यालय पर धरना दिया। इस दौरान शासनादेशों की प्रतियां जलाईं। बातचीत में निगम के प्रबंध निदेशक ने कार्रवाई के लिए एक सप्ताह का वक्त मांगा।

शुक्रवार को संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मोहिनी रोड स्थित पेयजल निगम मुख्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। बढ़ा हुआ ग्रेड पे न देने, गोपनीय प्रतिवेदन के आदेश के पीछे नकारात्मक सोच होने, शासनादेश के बावजूद ईएल व्यवस्था लागू नहीं होने और स्थानांतरण नीति का उल्लंघन करने के आरोप के साथ संबंधित शासनादेशों की प्रतियों की होली जलाई। बाद में प्रतिनिधिमंडल ने एमडी भजन सिंह से वार्ता की।

डीएम को घेरने वालों पर केस

देहरादून। तबादला आदेश के खिलाफ जिलाधिकारी चंद्रेश कुमार यादव को घेरने और हंगामा करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ शुक्रवार शाम कोतवाली में मुकदमा दर्ज करा दिया गया। तीन कर्मचारियों को गैर जमानती धाराओं में नामजद कराते हुए अन्य को अज्ञात में दर्शाया गया है। शुक्रवार शाम अधिकारियों की बैठक के बाद यह कार्रवाई की गई। एसडीएम सदर मोहन सिंह बर्निया ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया। अजय गोयल, राजेंद्र रावत और अनुज कुमार को नामजद किया गया है, बाकी को अज्ञात में दिखाया गया है।

डीएवी में छात्रों का हंगामा, गेट पर धरना

डीएवी पीजी कालेज का गेट बंद करने के बाद धरना देते छात्र।

देहरादून। डीएवी पीजी कालेज में छात्र संगठन और कालेज प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं। शुक्रवार को कालेज प्राचार्य के साथ तीखी बहस के बाद आंदोलित छात्रों ने कालेज में तालाबंदी कर दी, लेकिन मौके पर पुलिस ने छात्रों को बाहर खदेड़ दिया। इस दौरान गुस्साए छात्रों ने प्राचार्य के इस्तीफे की मांग उठाई। बाद में छात्र गेट पर ताला लटकाकर धरने पर बैठ गए। इससे चलते कालेज के बाहर सड़क पर दिनभर जाम के हालात रहे। डीएवी कालेज में एलएलबी में मेरिट से दाखिले के विरोध सहित कई समस्याओं को लेकर एबीवीपी सहित कई अन्य छात्र संगठन शुक्रवार को उग्र नजर आए। छात्रों ने सुबह से ही कालेज बंद करा दिया। 10 बजे प्राचार्य कालेज पहुंचे तो उनसे भी छात्रों ने तीखी बहस की। हालात को देखते हुए प्राचार्य ने पुलिस की मदद ली। पुलिस ने आंदोलनकारी छात्रों को कालेज से बाहर खदेड़ दिया। इस बीच पुलिस से भी छात्र नेताओं की नोंकझोंक हुई। दिनभर हंगामे की वजह से कालेज में चल रही प्रवेश प्रक्रिया बाधित रही। एलएलबी सहित पीजी के मेरिट फार्म बिक्री बंद रही। छात्रों का कहना है कि वह आंदोलन तेज करेंगे। **ब्यूरो**

समझौते पर अमल न होने पर भड़के शिक्षक

देहरादून। जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में शिक्षकों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए आंदोलन का ऐलान किया है। शिक्षकों ने मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। चंदननगर में हुई बैठक में शिक्षकों ने कहा कि जूनियर हाईस्कूल उच्चीकृत किए जाने के मसले सहित अन्य मांगों पर उनकी शासन और सरकार से वार्ता हुई थी। वार्ता के बाद शिक्षक संघ के साथ जो समझौता हुआ उस पर कई रोज बाद भी अमल नहीं हुआ। शिक्षकों ने कहा कि 15 दिन के भीतर मांगों पर अमल न हुआ तो शिक्षक आंदोलन को बाध्य होंगे। बैठक में स्कूलों के औचक निरीक्षण पर शिक्षकों ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार एवं एसडीएम ने निरीक्षण किया तो इसका विरोध किया जाएगा। **ब्यूरो**

दून के डॉक्टर नहीं चाहते बंद हो अस्पताल

देहरादून। मांगें मनाने के लिए दून जिले के डॉक्टर अस्पताल बंद करने के पक्ष में नहीं हैं। प्रांतीय चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा संघ (पीएमएचएस) की जिला कार्यकारिणी ने इस बारे में प्रांतीय अध्यक्ष को प्रस्ताव भेजा है। शुक्रवार को दून अस्पताल में बैठक में पीएमएचएस के जिलाध्यक्ष डा. एनएस खत्री ने कहा कि बार-बार हड़ताल से मरीजों को खासी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। हड़ताल के बजाय समस्याओं का समाधान वार्ता के जरिये करने की कोशिश होनी चाहिए। फिर भी अगर हड़ताल जरूरी है तो अस्पताल बंद करने के बजाय काम पर रहते हुए सांकेतिक भूख हड़ताल कर विरोध जताया जा सकता है। डॉ. खत्री ने प्रांतीय अध्यक्ष से मांग की है कि हड़ताल से पहले सभी जिलों की कार्यकारिणी से उनका पक्ष जान लिया जाए। प्रांतीय अध्यक्ष डा. बीएस जंगपांगी ने कहा कि डॉक्टरों की मांगों पर शासन से वार्ता का समय लिया जा रहा है। **ब्यूरो**

आमरण अनशन पर बैठने की दी चेतावनी

देहरादून। पेयजल निगम के दो कर्मचारियों ने एसीपी लाभ न देने पर आमरण अनशन की चेतावनी दी है। भीमताल में तैनात वीरेंद्र सिंह बिष्ट और हल्द्वानी में कार्यरत सुरेंद्र सिंह बिष्ट को 28 साल सेवा के बावजूद लाभ नहीं मिल पाया है। दोनों कर्मचारियों ने शुक्रवार को मुख्यालय में फैक्स कर 11 अगस्त से आमरण अनशन की चेतावनी दी है। जल निगम जल संस्थान मजदूर यूनियन के अध्यक्ष पीडी लोहनी ने बताया कि यूनियन ने यह नोटिस मुख्यालय को दे दिया है। लोहनी ने लेखाधिकारी केपी डिमरी पर आरोप लगाया कि वह हर बार कर्मचारियों की मांग पर पेंच फंसा रहे हैं। कहा कि अब भी अनदेखी की गई तो यूनियन भी धरने में शामिल होगी। इस दौरान मनमोहन सिंह नेगी, बिजेंद्र सिंह, रमेश सैनी, पूरन चंद्र, सुरेंद्र सिंह पंवार, सत्य प्रकाश डंडरियाल, प्रीतम सिंह उपस्थित रहे। **ब्यूरो**

एमडीडीए के खिलाफ सड़क पर उतरे युवा

मसूरी। नगर में बढ़ती आवासीय समस्या, प्राधिकरण के दोहरे मापदंड, लोगों के खिलाफ सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के खिलाफ युवाओं ने मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण के बेकरी हिल स्थित कार्यालय में सहायक अभियंता का घेराव किया। वीसी आर मीनाक्षी सुंदरम को संबोधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारी युवाओं ने पिक्चर पैलेस से कचहरी तक एमडीडीए के खिलाफ नारेबाजी कर जुलूस निकाला। *ब्यूरो*

गुमशुदा की तलाश

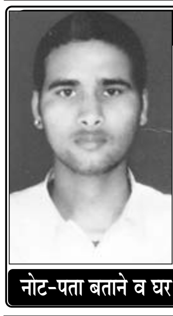

मेरा पुत्र **नितेश बिष्ट** उम्र 24 साल जो कि मानसिक रूप से कमजोर है। एक माह से देहरादून से लापता है। नितेश ने बैगनी रंग की शर्ट एवं काला हाफ नेकर पहना हुआ है। उसे अंतिम बार दिनांक 9-7-2014 को देहरादून (आईएसबीटी) में देखा गया था। नितेश के दाहिने कान में टाप्स लगा हुआ है।

नाम- **शिवराज सिंह** निवासी- पकड़िया, पोस्ट खटीमा, जिला ऊधमसिंह नगर
मोबाइल नं. 8979448432, 8126118183

नोट-पता बताने व घर पहुंचाने वाले को मार्ग व्यय सहित उचित इनाम दिया जाएगा।

गुमशुदा की तलाश

श्री वी. चन्द्रामोली

आयु 63 वर्ष, कद 5 फीट 9 इंच, रंग साफ, घुंघराले बाल, अन्ना नगर चेन्नई (तमिलनाडु) जून 2013 से केदारनाथ धाम से लापता हैं। जिस किसी को भी वी.चन्द्रामोली के बारे में कुछ भी जानकारी हो नीचे लिखे नम्बरों पर तत्काल सूचना देने का कष्ट करें।

वी. चन्द्रामोली आपकी पत्नी श्रीमति सी0 रामा चेनई में ठीक हैं तथा आपके सकुशल लौटने की प्रतिक्षा कर रही हैं अगर आप इसे पढ़े तो तुरन्त घर अपनी कुशलता की सूचना दें।

जो कोई सज्जन वी. चन्द्रामोली के बारे में बिल्कुल सही एवं सटीक जानकारी देगा उसे उचित इनाम दिया जायेगा।

श्री विन – 09952059431, 09841912453, 044-25234600, 044-26269275

दो अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ी, भर्ती

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षकों का सेवा विस्तार सहित विभिन्न मांगों को लेकर परेड ग्राउंड में आमरण अनशन शुक्रवार भी जारी रहा। शुक्रवार दो अनशनकारियों सुमित कुमार एवं अरविंद रावत का स्वास्थ्य बिगड़ गया। इस दौरान धरने पर बैठे संग्रह अमीनों ने 108 एंबुलेंस को बुलाकर दोनों को कोरोनेशन अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं दो अन्य अनशनकारी वीरेंद्र कुमार और अनुराग रावत ने अनशन शुरू कर दिया।

राजकीय वाहन चालकों ने भी दी आंदोलन की धमकी

देहरादून। राजकीय वाहन चालक महासंघ ने अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन की धमकी दी है। डीएम को दिए ज्ञापन में तक मांग पूरी न होने पर 25 से क्रमवार आंदोलन का ऐलान किया है। महासंघ के अध्यक्ष सुखराम यादव और मंत्री संदीप कुमार मौर्य के नेतृत्व में दिए गए मांग पत्र में कहा गया है कि कई बार की बातचीत केबाद में उनकी मांगों को स्वीकार नहीं किया गया है। उन्हें आंदोलन की राह पर जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। 25 अगस्त से लेकर 7 सितंबर तक वाहन चालक काली पट्टी बांधकर सांकेतिक आंदोलन करेंगे। इसके बाद वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। महासंघ की मांग है कि पंचायत चुनाव में सहयोग करने वाले वाहन चालकों का मानदेय स्वीकृत किया जाए।

बिजलीकर्मियों की हड़ताल टली

मांगों पर कार्रवाई के लिए तीन महीने का समय दिया

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। मैराथन वार्ता के बाद आखिर बिजलीकर्मियों और ऊर्जा निगमों के प्रबंधन में विभिन्न मांगों पर सहमति बन गई है। शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे तक चली वार्ता में मिले सकारात्मक रुख के बाद बिजलीकर्मियों ने तीन महीने केलिए हड़ताल स्थगित की है।

ऊर्जा केतीनों निगमों यूपीसीएल, पिटकुल और यूजेवीएनल में 14 सूत्री मांगों पर बिजली कर्मियों केआठ संगठनों के बिजली अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने 11 अगस्त से हड़ताल की चेतावनी दी थी। हड़ताल पर प्रबंधन और संगठन में कई दिन से तकरार चल रही थी। बीच में कुछ विद्युतकर्मियों ने हड़ताल का विरोध भी किया। बृहस्पतिवार को तीनों निगमों के प्रबंधन ने संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों से वार्ता की। बृहस्पतिवार रात साढ़े दस बजे तक हड़ताल पर नतीजा नहीं निकला था।

शुक्रवार को बैठक का कार्यवृत्त में कुछ बिंदुओं पर भ्रम के चलते दोबारा प्रबंधन से वार्ता हुई। इन बिंदुओं में सुधार के बाद रात साढ़े आठ बजे हड़ताल स्थगित करने पर निर्णय हो पाया। डीसी ध्यानी ने बताया कि प्रबंधन ने मांगों पर कार्रवाई के लिए तीन महीने का समय मांगा है। वार्ता में राकेश शर्मा, केआर कश्यप, जीएन कोठियाल, केहर सिंह, बीडी चमोली, बीआर रघु, चित्र सिंह, डीसी ध्यानी, वाईएस तोमर, भगवती प्रसाद आदि मौजूद थे।

प्रमुख मांगें

- ऊर्जा निगम व पिटकुल के एमडी एसएस यादव द्वारा टेंडरों में घोटाले, नियुक्तियों में घपलेबाजी और अन्य भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच हो
- ऊर्जा के तीनों निगमों को एक होल्डिंग कंपनी के अधीन किया जाए, ताकि अधिकारियों की फौज घटे और फील्ड में काम करने वाले कर्मियों की भर्ती की जा सके
- एसीपी की व्यवस्था में नान फंक्शनल वेतनमान को समाप्त किया जाए
- 30 सितंबर 2005 से सेवा में आए कार्मिकों को जीपीएफ, पेंशन के दायरे में लाया जाए

बीपीएल को नहीं मिल रहा योजना का लाभ

देहरादून। बीपीएल परिवारों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत चयनित निजी अस्पतालों में मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पिछले कई महीने से नहीं मिल रहा है। इससे हजारों बीपीएल परिवारों के लोग परेशान हैं। इस बाबत जिला कांग्रेस कमेटी ने स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी को ज्ञापन भेजा है। इस योजना के तहत प्रत्येक बीपीएल परिवार अस्पताल में भर्ती होने पर सालाना 30 हजार रुपये तक का चिकित्सीय लाभ ले सकते हैं। सीएमओ ने बताया कि इसके लिए बजट की कमी आ रही थी। भारत सरकार से इसकी स्वीकृति आ गई है।

अमर उजाला सफलता का नया अंक बाजार में

नई दिल्ली। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए नवीनतम जानकारियों का भंडार लेकर अमर उजाला प्रकाशन की मासिक पत्रिका अमर उजाला सफलता का नया अंक बाजार में आ चुका है। सफलता के सितंबर अंक में ताजा-तरीन घटनाओं के साथ ही विभिन्न विषयों पर गहराई से प्रकाश डाला गया है। इस अंक में 26 सबसे बड़े समसामयिक मसलों को विश्लेषण, व्याख्या और जरूरी टिप्पणियों के साथ शामिल किया गया है। इसके अलावा नए बजट और रेल बजट पर विशेष फोकस किया गया है। पत्रिका में नियमित स्तंभों के अलावा पहला विश्व युद्ध, संविधानः शक्ति नियंत्रण का बुनियादी साधन और धारणीय कृषि जैसे आलेखों को शामिल किया गया है। हल पेपर के खंड में एसएससी-सीपीओ उपनिरीक्षक परीक्षा और नवोदय विद्यालय संगठन, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) परीक्षा को स्थान दिया गया है। पत्रिका में विश्व, देश, खेल और आर्थिक जगत की परीक्षापयोगी घटनाओं को संकलित किया गया है। **ब्यूरो**

फिल्म समीक्षा-एंटरटेनमेंट

पहले पूछें, फिर फैसला करें

रवि बुले

रेटिंग**

यह फिल्म इंसान के सबसे वफादार साथी कहलाने वाले कुत्ते की है। कुत्ता यहां हीरो को इतना भावुक बना देता है कि वह कहता है, आज के बाद कोई मुझे कुत्ता कहेगा तो बुरा नहीं मानूंगा।

निर्देशक फरहाद-साजिद की फिल्म आपके धैर्य की कड़ी परीक्षा लेती है कि कितनी देर बैठ सकते हैं। कहानी यह है कि एक हीरा व्यापारी तीन हजार करोड़ रुपये की जायदाद छोड़ मर गया है। संघर्षों में जिंदगी जी रहे अखिल लोखंडे (अक्षय कुमार) को मालूम होता है कि बिजनेस टाइकून उसका 'नाजायज' पिता था। राज खुलने पर अखिल संपत्ति 'टेकओवर' करने पहुंचता है तो वकील हबीबुल्ला (जॉनी लीवर) से पता चलता है कि एक कुत्ता 'एंटरटेनमेंट' उसे 'ओवरटेक' कर चुका है। टाइकून पालतु कुत्ते के नाम सारी संपत्ति कर गया। अखिल एंटरटेनमेंट को खत्म करके अमीर बनना चाहता है, जबकि एंटरटेनमेंट हादसे में उसकी जान बचाता है। खलनायक करन-अर्जुन (प्रकाश राज-सोनू सूद) की एंट्री होती है। वे धोखे से एंटरटेनमेंट की दौलत कब्जा लेते हैं, मगर अखिल उन्हें सबक सिखाता है। इस बीच अखिल और साक्षी (तमन्ना भाटिया) की लव स्टोरी चलती है। अक्षय अपनी पुरानी कॉमेडी फिल्मों से अलग नहीं हैं। तमन्ना के लिए करने को यहां कुछ खास नहीं था।